WARREN HASTINGS

1772 ई० में जॉन कार्टियर के बाद वारेन हेस्टिंग्स बंगाल का गवर्नर और 1773 ई० में रेग्यूलेटिंग एक्ट पारित हो जाने के पश्चात् भारत का प्रथम गवर्नर जनरल बना। इसके संबंध में यह सत्य है कि लार्ड क्लाइव ने भारत में अंग्रेजी सत्ता की नींव डाली, लेकिन उस नींव पर भवन-निर्माण का कार्य वारेन हेस्टिंग्स ने ही किया। वारेन हेस्टिंग्स केवल साम्राज्य विस्तारक ही नहीं वरन् एक योग्य प्रशासक भी था। उसने सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक अनेक सुधार किए:-

1. न्यायिक सुधार 2. भू-राजस्व संबंधी सुधार
3. शिक्षा संबंधी सुधार 4. प्रेस को स्वतंत्रता प्रदान की गई
5. प्रशासन संबंधी सुधार
   (i) द्वैध शासन का अंत
   (ii) अराजकता का अंत

वारेन हेस्टिंग्स के इन प्रशासनिक कार्यों के आधार पर यह कथन उचित प्रतीत होता है, "वारेन हेस्टिंग्स ने भारत में आंग्ल प्रशासन की आधारशिला रखी थी।" सर विलियम हंटर के अनुसार, "वारेन हेस्टिंग्स ने जिस नागरिक शासन प्रणाली की नींव डाली थी, उसी पर कार्नवालिस ने एक विशाल भवन का निर्माण किया।" इस प्रकार, कंपनी के राज्य को सुदृढ़, सुव्यवस्थित, स्थायी और शक्तिशाली बनाने में वारेन हेस्टिंग्स का योगदान क्लाइव से कहीं अधिक है, क्योंकि लार्ड क्लाइव द्वारा जिस अंग्रेजी साम्राज्य की नींव रखी गई थी, उस पर वारेन हेस्टिंग्स ने एक सुदृढ़ भवन का निर्माण किया था।

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept of History
S.B. College, Ara
B.A.-Part-III; Paper VI
History of India (1765-1950)